५० / १५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २

दोपहर २:०० से ४:१५] (रविवार, ९ जुलाई, २०००) **कुल अंक : ७५**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाये गए हैं।

(विभाग - २ किशोर सत्संग परिचय)

प्र. १. निम्नांकित में से कोई भी दो विधान किसने, किसे तथा कब कहा है, यह लिखिए । ६

१. *''साधु तो हमारे पिता हैं।''*
२. *''हम कहाँ मान प्राप्त करने के लिये सत्संगी हुए हैं ?''*
३. *''आज तो हमें वरताल पहुँचने की शीघ्रता है।''*
४. *''दूसरों की ऐसी कठिन कसौटी मत करना।''*

प्र. २. निम्नांकित में से किसी एक पर १२ पंक्तियाँ में टिप्पणी लिखिए । ४

१. *लक्ष्मीचंद सेठ।*
२. *राजबाई।*
३. *नियम।*

प्र. ३. निम्नांकित में से किन्हीं दो को आठ पंक्तियाँ में कारण देकर समझाइए । ४

१. *गुंदाली गाँव की सभा में हाहाकार मच गया।*
२. *श्रीजीमहाराज संत हरिभक्त के साथ सुंदरियाणा आये।*
३. *घनश्यामदास बोल उठे, ''अब आप सच्चे अक्षर।''*
४. *कडवीबाई को मारने के लिये आये ब्राह्मण भाग गए।*

प्र. ४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिए । ७

१. *अरदेशर कोटवाल सुबह को जागे तो उसे आश्चर्य क्यों हुआ ?*
२. *सच्चा मित्रभाव किसे कहा जाय ?*
३. *स्वरूपानंद स्वामी ने बिमारी में श्रीजी महाराज से क्या कहा ?*
४. *श्रीजीमहाराज के दो सच्चे सत्संगी कौन थे ?*

५. *रामप्रतापभाई के साथ कौनसी मूर्ति बातें करती थी ?*
६. *योगीजी महाराज ने किन किन मंदिरों की प्राणप्रतिष्ठा की ?*
७. *शिक्षापत्री के अनुसार धर्म अर्थात् क्या ?*

प्र. ५. निम्नांकित 'स्वामी की बात' पूर्ण करके उसका निरूपण कीजिए ५

'विषय के मार्ग में..... '

अथवा *वचनामृत का निरूपण कीजिए।*

वचनामृत - गढडा प्रथम-१६ - विवेकशीलता।

प्र. ६. निम्नांकित में से किन्हीं चार कीर्तन/श्लोक/अष्टक की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए । ८

१. *वादी हराव्या ..... सर्वोपरि महाराज।*
२. *जो अंतकाले..... सद्‌बुद्धि जागे।*
३. *एवां करे रे ..... सहज स्वभावे।*
४. *करुणामय चारु..... भजे सदा।*
५. *कनक छड़ी..... ताप शमावता रे।*

(विभाग - २ प्रागजी भक्त)

प्र. ७. निम्नांकित में से कोई भी दो विधान किसने, किससे और कब कहा, यह लिखिए । ६

१. *''निश्चय में तो भगतजी अडिग हैं।''*
२. *''मैं तो ऐसा कुर्ता सी सकता हूँ जो तुम्हारे अन्तर को ढ़ंक ले।''*
३. *''जूनागढ जाओ! मेरे दिये सारे वचन वहीं पूर्ण होंगे।''*
४. *''तुम्हें तेल चढाने को किसने कहा था ?''*

प्र. ८. निम्नांकित से कोई एक को बारह पंक्तियों में कारण सहित समजाइए । ४

१. *महाराज ने प्रागजी भक्त को कहा, 'अबसे मैं तुम्हारे वश में ही हूँ।'*
२. *गिरधरभाई ने प्रतीति हुई कि प्रागजी भक्त परम एकांतिक भक्त हैं।*
३. *भगतजी ने मृत कुत्ते को हटा दिया।*

प्र. ९. निम्नांकित में से किसी एक पर लगभग १५ पंक्तियों में टिप्पणी लिखिए । ५

१. *अक्षरपात्र की वरणी।*
२. *साधु का कसब*
३. *पवित्रानंद स्वामी का अपमान और प्राप्त शांति।*

प्र. १०. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । **७**

१. *प्रागजी भक्त को किसके समागम से ज्ञान हुआ कि धन और स्त्री में सुख नहीं है ?*

२. *मुमुक्षु को किसकी तरह सावधानी और निद्रा होनी चाहिए ?*

३. *नागरवाडा के दरवाजे पर आकर गुणातीतानंद स्वामी ने क्या कहा ?*

४. *प्रागजी भक्त को किसने तमाचा मारा ? क्यों ?*

५. *भगतजी ने हरिभक्तों के सुख के लिये कितनी मालाएँ पूरीं ?*

६. *प्रागजी भक्त के बारे में बालमुकुन्द स्वामी ने डॉ. उमियाशंकर को क्या कहा ?*

७. *प्रागजी भगत किसके पास वर्तमान लेकर सत्संगी बने थे ?*

प्र. ११. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर बारह पंक्तियों में टिप्पणी लिखिए । **४**

१. *अक्षरधाम की कुंजी।*

२. *अहमदाबाद में ज्ञान-यज्ञ।*

३. *प्रागजी भक्त के द्वारा की गई सेवा।*

(विभाग - ३ 'सत्संग प्रवेश' परीक्षा की पुस्तकों के आधार पर)

प्र. १२. निम्नांकित विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । **१५**

१. *पिबक की पराजय।*

अथवा

नीलकंठ द्वारा किये गये दो सुधार।

२. *अजात शत्रु - शास्त्रीजी महाराज।*

अथवा

समर्थ वक्ता - शास्त्रीजी महाराज।

३. *शुकानंद स्वामी की समझ।*

अथवा

सगराम वाघरी।